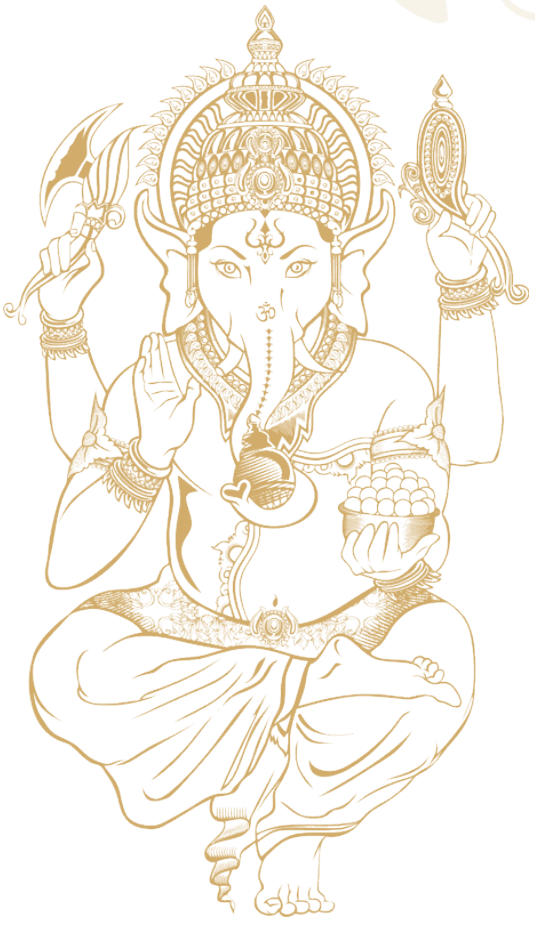

Abhishek Tiwari

Jyoti Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119205802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/09/1995	जन्म तिथि	26-27/03/1997
सोम-मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 55:21:14	जन्म समय(घटी)	46:05:23 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Auraiya
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	79:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:13:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:30	सूर्योदय	06:11:06
18:47:36	सूर्यास्त	18:27:01
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 11वर्ष 1मा 6दि
राहु	21:45:20	कर्क	लग्न	धनु	09:27:13	शनि
06/12/2024	18:08:13	सिंह	सूर्य	मीन	12:21:37	02/05/2024
06/12/2042	22:29:51	धनु	चंद्र	तुला	11:46:36	03/05/2043
राहु 19/08/2027	04:39:45	तुला	मंगल व	सिंह	29:18:15	शनि 06/05/2027
गुरु 11/01/2030	14:40:51	कन्या	बुध	मीन	26:52:28	बुध 13/01/2030
शनि 17/11/2032	13:22:14	वृश्चि	गुरु	मक	20:14:40	केतु 22/02/2031
बुध 07/06/2035	22:13:40	सिंह	शुक्र	मीन	10:38:27	शुक्र 24/04/2034
केतु 24/06/2036	28:16:45	कुंभ व	शनि	मीन	15:54:52	सूर्य 06/04/2035
शुक्र 25/06/2039	03:41:51	तुला व	राहु व	कन्या	04:55:00	चन्द्र 04/11/2036
सूर्य 19/05/2040	03:41:51	मेष व	केतु व	मीन	04:55:00	मंगल 14/12/2037
चन्द्र 18/11/2041	03:07:37	मक व	हर्ष	मक	13:56:52	राहु 20/10/2040
मंगल 06/12/2042	29:12:58	धनु व	नेप	मक	05:47:01	गुरु 03/05/2043
	04:13:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:41:25	

लग्न-चलित

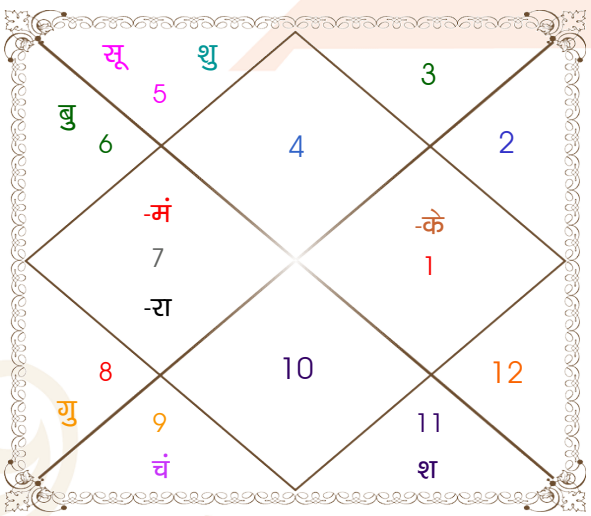

लग्न-चलित

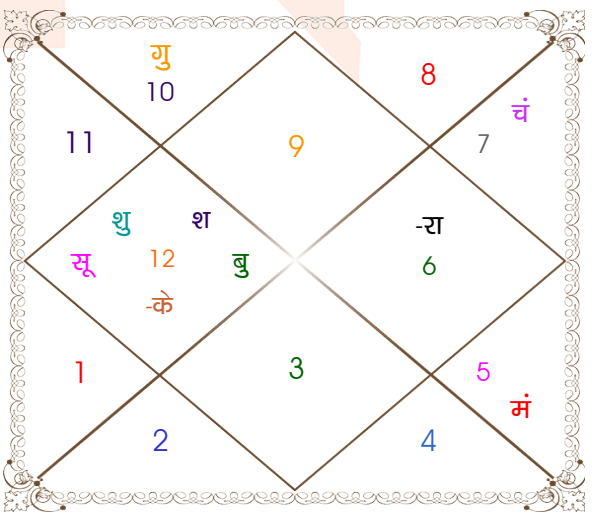

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

।ईपेंीमा ज्पूंतप का वर्ग मूषक है तथा श्रलवजप डपेीतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ईपेंीमा ज्पूंतप और श्रलवजप डपेीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ईपेंीमा ज्पूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।ईपेंीमा ज्पूंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

श्रलवजप डपेीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि श्रलवजप डपेीतं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इीपेीमा ज्पूंतप तथा श्रलवजप डपेीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।